P372

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, बुधवार 11 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 91
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शहर में शुरू होगी 8 मंजिला हाइटेक पार्किंग

पेज-2

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा : शाल्मली खोलगडे

पेज-5

नई रिंग रोड में आ रही 25 गांवों की जमीन

पेज-6

प्रदेश कांग्रेस ने भी अपने नेताओं के पुनर्वास की तैयारी की

3 हजार से अधिक नेताओं को मिलेगी जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्यप्रदेश में कांग्रेस की तीन दिन चली बैठकों के बाद संगठन को लेकर एक नया फार्मूला सामने आया है। चुनाव से पहले कांग्रेस ने अब नेताओं के पुनर्वास की तैयारी भी शुरू कर दी है। संगठन को और मजबूत करने के लिए करीब 3000 से अधिक नेताओं के एडजस्टमेंट का प्लान बनाया गया है। ये नेता अलग-अलग भूमिकाओं में पार्टी के लिए काम करेंगे। मध्य प्रदेश में लगातार तीन दिन तक कांग्रेस की बैठकों का दौर चला। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और संगठन के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन हुआ। इन बैठकों में यह फैसला लिया गया कि संगठन को मजबूत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा नेताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी। खास तौर पर वे नेता, जिन्हें कार्यकारिणी में जगह नहीं मिल पाने की वजह से पार्टी में हाशिये पर माना जा रहा था, अब उन्हें ब्लॉक, मंडल और सेक्टर प्रभारी बनाया जाएगा। कांग्रेस का मानना है कि इससे संगठन की निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ेगी। नेताओं की नियुक्ति के साथ-साथ जिला कार्यकारिणी को लेकर भी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से दिशा-निर्देश मिले हैं।

संगठन पर मेहनत कर रहे

नेताओं का एडजस्टमेंट कांग्रेस के लिए हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। अनुशासनहीनता और गुटबाजी पार्टी की पुरानी समस्या मानी जाती रही है। अब देखना होगा कि संगठन में किया जा रहा ये बदलाव कांग्रेस को कितनी मजबूती देता है। हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जिस तरह लगातार मध्य प्रदेश में मेहनत कर रहे हैं, उससे संगठन को लेकर एक नई उम्मीद जरूर जगी है। नेताओं के एडजस्टमेंट पर मंथन, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों को हाईकमान के निर्देशों का पालन, जंबो कार्यकारिणी में कटौती, केवल सक्रिय कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा।

● **बदलाव पर आमने-सामने कांग्रेस बीजेपी**-प्रदेश संगठन महामंत्री संजय कामले का कहना है कि चुनाव से पहले कांग्रेस एक बड़ी रणनीति पर काम कर रही है और संगठन स्तर पर जिम्मेदारियां तय की जा रही।

भाजपा अब प्रभारियों के भरोसे लड़ेगी आगामी चुनाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • भाजपा मुख्यालय में आयोजित संभाग और जिला प्रभारियों की बड़ी बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने संभाग व जिला प्रभारियों को उनके अधिकार और कामकाज समझाए। उन्हें यह भी दिलासा दी कि जिला प्रभारी बनने के बाद भी उनके लिए बड़ी जवाबदारी मिलने की संभावना रहेगी। आगामी चुनाव भी प्रभारियों की देखरेख में लड़े जाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल व जामवाल ने कहा संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने में संभाग व जिला प्रभारियों की भूमिका अहम है और आने वाले समय में और भी महत्वपूर्ण होगी। जिला प्रभारी जिलों में साप्ताहिक प्रवास व रात्रि विश्राम कर संगठन विस्तार में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। बैठक का संचालन पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेन्द्र बरूआ ने किया। इस मौके पर महामंत्री राहुल कोठारी एवं गौरव रणदिवे भी मौजूद थे।

जिला प्रभारी की अहम भूमिका-खंडेलवाल बोले- आने वाला समय संगठन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें जिला प्रभारी की भूमिका अत्यधिक अहम होगी। चुनावों के समय संगठन का पूरा फोकस जिले और विधानसभा क्षेत्र पर होता है, इसलिए हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के कार्यों से विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। जिला प्रभारी को नियमित संवाद बनाए रखना है।

प्रबुद्धजनों से रखें संवाद

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने सभी प्रभारियों से कहा कि वे कोर ग्रुप जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और समाज के प्रबुद्धजनों से नियमित संवाद पर फोकस रखें। उन्होंने कहा, बूथ जीता तो चुनाव जीता... मेरा बूथ सबसे मजबूत... यह केवल नारा नहीं, बल्कि संगठन की कार्यनीति है। इस अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर 11 सितंबर को प्रदेश में आयोजित कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ आजीवन सहयोग निधि पर भी चर्चा की गई।

न्यूज ब्रीफ

- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज लोकसभा में बोलेंगे!
- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में आज बजट पर हुई बहस का जवाब देंगी
- टी20 वर्ल्ड कप से पहले अभिषेक शर्मा की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती
- कनाडा में स्कूल के अंदर गोलीबारी, कई लोगों की मौत
- उत्तर प्रदेश सरकार आज पेश करेगी वित्त वर्ष 2026-27 का बजट
- मुंबई : सलमान खान के करीबी को भी मिली धमकी, करोड़ों की मांग
- मुंबई में आज होंगे महापौर और उप-महापौर पद के लिए चुनाव
- आंध्र प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू होगा
- प्रधानमंत्री मोदी आज पुडुचेरी के दौरे पर जा सकते हैं
- दिल्ली : जनकपुरी गड्ढा हादसा मामले में कॉन्ट्रैक्ट हिमांशु गुप्ता को मिली अग्रिम जमानत
- दिल्ली : रोहिणी के बेगमपुर इलाके में मेनहोल में गिरने से शख्स की मौत
- राजस्थान के दौसा में कार-ट्रक की भीषण टक्कर, छह लोगों की हुई दर्दनाक मौत

जन गण मन से पहले बजेगा वंदे मातरम्

नई दिल्ली (एजेंसी) • गृह मंत्रालय ने 'वंदे मातरम्' को लेकर नया नियम जारी किया है। इसके तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्र गीत वंदे मातरम् गाया या बजाया जाना अनिवार्य होगा। वहीं अगर किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम्' और राष्ट्रगान 'जन गण मन' दोनों प्रस्तुत किए जाते हैं, तो पहले 'वंदे मातरम्' और उसके बाद 'जन गण मन' होगा। इस दौरान उपस्थित लोगों को सावधान मुद्रा में खड़े रहना होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'वंदे मातरम्' को लेकर नया प्रोटोकॉल जारी किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 'वंदे मातरम्' को लेकर नया प्रोटोकॉल जारी किया है।

शहर में हर सप्ताह गूंजेगी जनता की आवाज

महापौर का नया नवाचार : संकल्प से समाधान जनता चौपाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर की समस्याओं के त्वरित और मौके पर ही समाधान के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव अब सप्ताह में दो दिन सीधे जनता के बीच पहुंचकर 'संकल्प से समाधान जनता चौपाल लगाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित संकल्प से समाधान शिविरों को आगे बढ़ाते हुए महापौर ने यह पहल शुरू की है। इसकी शुरुआत भाजपा के पितृपुरुष दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि से की जाएगी। ज्ञात हो कि दीनदयाल उपाध्याय का मूल मंत्र 'अंतिम व्यक्ति का उदय' रहा है। इसी भावना को आधार बनाकर महापौर भार्गव ने जनता से सीधे संवाद कर समस्याओं को स्थल पर ही निपटाने का लक्ष्य रखा है।

ऐसे आयोजित होगी जनता चौपाल

जनता चौपाल सप्ताह में दो बार आयोजित की जाएगी यानी दो वार्डों में हर सप्ताह इसका आयोजन होगा। चौपाल में महापौर के साथ स्थानीय पार्षद, जोन अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य और नगर निगम के सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहेंगे। चौपाल सुबह 8 बजे से शुरू होगी, जिसमें सबसे पहले

क्षेत्र के प्रमुख जगहों का मुआयना किया जाएगा।

इसके बाद जनसंवाद और फिर जनता चौपाल में बैठकर लोगों की समस्याएं सुनी व दर्ज की जाएंगी। समस्याओं का स्थानीय परिस्थिति के अनुसार तत्काल समाधान या उसके लिए आवश्यक निर्देश वहीं दिए जाएंगे। लगभग 3 घंटे तक चलने वाली इस चौपाल में नगर निगम के 12 विभागों के अधिकारी और HOD भी शामिल रहेंगे। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अब दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, क्योंकि प्रशासन खुद उनके पास पहुंचेगा।

हर वार्ड की समस्याओं का समाधान मौके पर ही

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा जनता की समस्या को समझने का सबसे अच्छा तरीका है सीधे उनके बीच जाकर सुनना। दीनदयाल उपाध्याय के 'अंतिम व्यक्ति के उदय' के सिद्धांत को आधार बनाकर हम संकल्प से समाधान जनता चौपाल शुरू कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हर वार्ड की समस्याओं का समाधान स्थल पर ही और समयबद्ध तरीके से हो। जनता हमारी शक्ति है और उनके द्वार पर पहुंचकर उनकी तकलीफों का निवारण करना हमारी जिम्मेदारी। बुधवार को महापौर वार्ड 74 के जोन 13 में लोगों से संवाद कर जन समस्याओं का निराकरण करेंगे। महापौर सुबह मां अहिल्या उद्यान विष्णुपुरी जाएंगे इसके बाद पिपल्यापाला गांव में जाएंगे।

कागजों पर ही दिख रहा है डीएवीवी का हैप्पीनेस सेंटर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) में छात्रों की मानसिक सेहत सुधारने के उद्देश्य से प्रस्तावित हैप्पीनेस सेंटर अब तक शुरू नहीं हो सका है। करीब सवा साल पहले इस सेंटर को खोलने का निर्णय लिया गया था, लेकिन आज तक न तो सेंटर की शुरुआत हुई और न ही किसी काउंसलर की नियुक्ति हो पाई है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रस्ताव पास हो चुका है और प्रक्रियाएं जारी हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नजर नहीं आ रही है। बीते कुछ वर्षों में विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक तनाव बढ़ने और आत्महत्या जैसी घटनाओं के सामने आने के बाद हैप्पीनेस सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया था। इसका उद्देश्य छात्रों को तनाव, अवसाद, परीक्षा दबाव और निजी समस्याओं से उबरने में मदद करना था। इस योजना को तत्काल जरूरत मानते हुए कार्यपरिषद में प्रस्तुत किया गया था, जिसे कुलगुरु के साथ पहली या दूसरी बैठक में स्वीकृति भी मिल गई थी।

योजना के तहत हैप्पीनेस सेंटर में प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक और काउंसलर नियुक्त किए जाने थे, ताकि छात्र खुलकर अपनी समस्याएं साझा कर सकें। प्रोफेसरों का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में देरी गंभीर परिणाम दे सकती है। इसके बावजूद अब तक किसी भी काउंसलर की नियुक्ति या जॉइनिंग नहीं हो पाई है और न ही सेंटर के लिए अलग से स्टाफ तय किया गया है। यह प्रस्ताव अक्टूबर 2024 के आसपास पारित किया गया था। उस समय उम्मीद जताई गई थी कि सेंटर जल्द शुरू हो जाएगा, लेकिन आज तक यह तय नहीं हो पाया है कि हैप्पीनेस सेंटर कहां संचालित होगा। इसके साथ ही कितने काउंसलर या मनोवैज्ञानिक नियुक्त किए जाएंगे, इस पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सरकारी प्रक्रिया बनी बड़ी बाधा

हैप्पीनेस सेंटर जैसी संवेदनशील योजना भी सरकारी प्रक्रियाओं और लालफीताशाही में उलझ गई है। फाइलें अलग-अलग स्तरों पर घूम रही हैं, लेकिन ठोस नतीजा सामने नहीं आ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत लागू किया जाना चाहिए था, क्योंकि यह सीधे छात्रों की जान और भविष्य से जुड़ा विषय है।

अब बाहर की गंदगी ने करवाई इंदौर एयरपोर्ट की किरकिरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट एक बार फिर साफ-सफाई को लेकर विवादों में घिर गया है। सोशल मीडिया पर शिकायत ने एयरपोर्ट प्रशासन की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इंदौर के एक निवासी ने एयरपोर्ट भवन के ठीक बाहर फैली गंदगी की तस्वीरें साझा करते हुए एयरपोर्ट प्रशासन को टैग किया। उन्होंने लिखा कि एयरपोर्ट के बाहर की यह स्थिति शहर की छवि के अनुरूप नहीं है और इससे देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। शिकायत सार्वजनिक होते ही एयरपोर्ट प्रशासन को जवाब देना पड़ा।

राज्यसभा की 3 सीटें को लेकर शुरू हुई सियासी उठापटक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मप्र में साल 2026 राजनीतिक हलचलों से भरा रहने वाला है। इसी कड़ी में फिलहाल राज्यसभा की उन तीन सीटों के लिए सियासी हलचल शुरू हो गई है, जो अप्रैल और जून में को खाली होंगी। सीटें अभी भले ही खाली नहीं हुई हैं, लेकिन राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। इनमें भाजपा के खाते की दो सीटें और कांग्रेस की एक सीट है। 9 अप्रैल को दिग्विजय सिंह का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इसके साथ ही भाजपा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी का भी कार्यकाल इसी दिन पूरा होगा। वहीं जून में जॉर्ज कुरियन का कार्यकाल पूरा होगा। बताया जा रहा है कि जॉर्ज कुरियन को दोबारा मौका मिल सकता है। जबकि सुमेर सोलंकी पर सस्पेंस है, उन्हें दोबारा राज्यसभा भेजा जाएगा या उनकी जगह भाजपा किसी नए चेहरे को मौका देगी। वहीं दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में फिर न जाने की घोषणा कर दी है।

भाजपा से इनके नाम चर्चा में : खासकर भाजपा दोनों सीटों पर कौन जाएगा, इसे लेकर मंथन भी शुरू हो गया है। भाजपा के जानकारों का दावा है कि शीर्ष नेतृत्व एक बार फिर से केन्द्रीय मंत्री जार्ज कुरियन को दोबारा राज्यसभा भेज सकती है, जबकि सोलंकी के स्थान पर कोई अप्रत्याशित चेहरों को भेजा जा सकता है। बताया गया है कि स्थानीय नेतृत्व मप्र की दोनों सीटों पर राज्य से ही नए चेहरों को भेजना चाहता है। नेतृत्व की मंशा भांपकर कई ऐसे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभी से अपना दावा जताना शुरू कर दिया है, जो समर्पित होकर वर्षों से पार्टी के लिए काम करते आ रहे हैं और उनके द्वारा पहले कभी भी न तो किसी भी स्तर पर चुनावी टिकट की मांग नहीं की है। उनके द्वारा पार्टी द्वारा उन्हें सौंप कर हर तरह की जिम्मेदारियों का पूरी तरह से निर्वाहन किया है। भाजपा में राज्यसभा के लिए कई दावेदार हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व मंत्री लालसिंह आर्य, पूर्व कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त विनोद गोटिया, पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया, कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व मंत्री रामनिवास रावत, पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा इस रेस में शामिल है। वहीं विनोट गोटियां, पूर्व मंत्री और संघ से करीबी अरविन्द भदौरिया के अलावा किसी महिला नेत्री में से किसी दो को पार्टी नेतृत्व राज्यसभा भेज सकता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा के लिए अभी विचार चल रहा है। जल्द ही नाम सामने आ सकते हैं। वहीं भाजपा में युवा चेहरे को भी मौका मिल सकता है। बताया जा रहा है कि भाजपा साधु-संत पर भी दांव खेल सकती है।

कांग्रेस के दावेदार : वहीं कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की सीट भी खाली हो रही है। इस बीच उन्होंने ऐलान भी किया है कि वे अपनी राज्यसभा सीट खाली कर रहे है। यानी दिग्विजय ने तीसरी बार उच्च सदन जाने से मना कर दिया है। दिग्गी के इस बयान के बाद कांग्रेस में दावेदारी शुरू हो गई है। विधानसभा में संख्या बल के मुताबिक कांग्रेस को एक सीट मिलना तय है। ऐसे में इस सीट पर अगली बार कौन जाएगा, इसे लेकर चर्चाओं ने जोर पकडना शुरू कर दिया है। पार्टी हाईकमान इस सीट से ऐसे किसी नेता को दिल्ली भेजने की तैयारी में है, जो पिछले कुछ वर्षों से वनवास जैसी स्थिति में हैं। इनमें वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव का नाम लिया जा रहा है। एआईसीसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, मौजूदा पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के नाम पर भी चर्चा की जा रही है। हालांकि कहा यह भी जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ या उनके पूर्व सांसद पुत्र नकुल नाथ को भी पार्टी राज्यसभा भेज सकती है। चर्चा यह भी है कि कांग्रेस ऐसे किसी नेता को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देना चाहती है, जो दिग्विजय सिंह की तरह सदन में पार्टी का चेहरा बन सके। पार्टी ने ऐसे नेता की खोज करनी शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

महावीर जयंती नहीं महावीर जन्म कल्याणक कहें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इस वर्ष भगवान महावीर जन्म कल्याणक 31 मार्च को वर्तमान शासन नायक तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी प्रभुजी का जन्म कल्याणक है। राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ एवं विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू एवं मयंक जैन ने भारत वर्षीय समंग्र जैन समाज एवं भारत के सभी जैन परिवारों श्रावक श्राविकाओं से निवेदन और अनुरोध करते हुए कहा कि तीर्थंकर प्रभुजी श्री श्री महावीर स्वामी प्रभुजी के जन्म कल्याणक पर जयंती नहीं तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी प्रभुजी जन्म कल्याणक ही प्रयोग करे श्री महावीर स्वामी जयंती नही। दद्दू ने कहा कि हमारे तीर्थंकर प्रभुजी कोई साधारण इंसान नही थे महान महापुरुष थे जयंती इंसान की मनाई जाती है और पूरे भारत और विश्व में कोई भी जैन श्रावक श्राविका कोई को यह मंजूर नहीं की हमारे प्रभुजी के मान सम्मान में जरा सी भी कमी आए पूरे भारत में सभी राज्य सरकारों से श्री महावीर स्वामी जयंती के स्थान पर तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी जन्म कल्याणक करवाने के प्रयास जारी हैं।

डेढ करोड से ज्यादा लागत से सांवेर में विकास कार्यों की सौगात मिली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा की 110 ग्राम पंचायतों में एक हजार करोड से भी ज्यादा राशि के विकास कार्य हो गए हैं, सांवेर में विकास के पंख लगे है, जिससे सभी वर्गो को लाभ हो रहा है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में सांवेर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा डेढ करोड की लागत के 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन और आजीविका भवन निर्माण की स्वीकृतियां दी है, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ।

महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, किला भवन की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर से प्लास्टिक बोतलें, परीक्षा में उपयोग की गई पॉलिथीन एवं कैरी बैग एकत्र किए गए। साथ ही महाविद्यालय के बाहर स्थित चाय की दुकान से मिट्टी के कुल्हड़ तथा कैंटीन से खाली दूध के पाउच संग्रहित किए गए, जिनका उपयोग रीसाइक्लिंग के लिए किया जाएगा।

अमेरिकी टैरिफ से नया बाजार मिला, अब ट्रेड डील से दोहरा लाभ-मांडविया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने इंदौर में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अमेरिकी टैरिफ से भारत को नया बाजार मिला। अब ट्रेड डील से डबल फायदा होगा। उन्होंने सरकार के बजट को लेकर भी अपने विचार साझा किए। केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने इंदौर में केंद्रीय बजट को लेकर प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें उन्होंने अमेरिकी ट्रेड डील के बाद डबल फायदा होने की बात कही, साथ ही यह भी कहा कि उनके टैरिफ से भी हमें लाभ था।

मांडविया ने कहा कि जब अमेरिका ने हम पर टैरिफ लगाया तो हमारे कारोबारियों, उद्योगपतियों ने अन्य बाजार ढूंढे। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूती से चली और अन्य मार्केट से इसे कवर किया गया। अब जब ट्रेड डील हो गई हो तो डबल फायदा होगा, क्योंकि पहले ही हम नए मार्केट ढूंढ चुके हैं और जो अमेरिका बाजार प्रभावित हुआ था वह फिर खुल गया है।

वहीं मांडविया ने कहा कि हमने हाल के समय में तीन ट्रेड डील की है। एक यूरोपियन यूनियन के साथ, एक यूके के साथ और अब अमेरिका के साथ। इसमें

एक अहम बिंदु जोड़ा गया है सामाजिक सुरक्षा का। जैसे यूके में है कि तीन साल तक काम करने पर उनका पीएफ भारत में कटेगा और फिर आगे काम करते हैं तो वहीं कटेगा। सामाजिक सुरक्षा के बिंदु को अमेरिकी ट्रेड डील में भी ले रहे हैं।

मांडविया ने कहा कि जब मोदी सरकार पहली बार आई तो बजट 16 लाख करोड़ का था और 11 साल में यह बजट 53 लाख करोड़ रुपए हो गया है। वह भी बिना एक रुपए का अतिरिक्ट टैक्स लगाए हुए। पहले वेट था और अब जीएसटी है। गुड गर्वेनेंस हुई, राशि का सही प्रंबधन हुआ। भ्रष्टाचार को रोका गया इसके कारण यह बजट बढ़ा है।

नए प्रावधानों से मप्र को बजट आवंटन में 7500 करोड़ का नुकसान होगा। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि अनुदान का एक व्यवस्थित फार्मूला है और इसी से यह तय होता है। यह नहीं होता है कि बीजेपी वाला राज्य है तो अधिक दे दो दूसरे को कम दे दो। मांडविया ने बताया कि ओलपिंक का आयोजन भारत में करने के लिए बिड की गई है।

यह बजट कलरफुल नहीं, मजबूत है

मांडविया ने कहा कि भारत में बहुत अधिक उवर्रक, केमिकल का उपयोग हो रहा है। इसका जमीन पर खासा असर हो रहा है। इसे कम करने की जरूरत है और नेचुरल फार्मिंग समय की मांग है। बेरोजगारी दर पर कहा कि यह केवल 3.2 फीसदी है जो सही सिग्नल है और अर्थव्यवस्था सही गति से आगे बढ़ रही है। पीएम नरेंद्र मोदी का सपना है कि साल 2047 तक विकसित भारत और इसी दिशा में यह बजट कलरफुल नहीं होकर मजबूत बजट है।

विजयनगर में चाकूबाजी, युवक की मौत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के विजयनगर क्षेत्र में मंगलवार रात चाकूबाजी की घटना हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक घटना आर्बिट मॉल के पास की है। मंगलवार देर रात गोलू चंद्रवंशी, निवासी भूसामंडी, पर तीन से चार बदमाशों ने नशे की हालत में चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे मेंदाता अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि गोलू पीयू-4 इलाके में काम करता था। सूचना मिलने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस मामले में कुछ युवकों को हिरासत में लिया गया है। जानकारी के अनुसार हमले में गोलू का दोस्त हरिओम भी घायल हुआ है। गोलू के परिवार के मुताबिक, उसके एक दोस्त ने उसे मिलने के लिए बुलाया था। उस दोस्त का किसी से विवाद हो गया था। जब गोलू मौके पर पहुंचा, तो दो लड़कों ने अपने अन्य साथियों को बुला लिया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में गोलू के पेट में गंभीर चोट आई।

गोलू के परिवार में उसके माता-पिता और एक भाई हैं। वह पेशे से बाउंसर था। हाल ही में उसने पीयू-4 इलाके में एक कैफे का काम भी शुरू किया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' स्नेहधाम में बुजुर्गों को बेदखली नोटिस : 18 करोड़ की योजना पर राजनीतिक घमासान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आईडीए द्वारा बुजुर्गों के सम्मानजनक जीवन के लिए शुरू किया गया स्नेहधाम अब राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गया है। जिस परियोजना का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 जून 2025 को 'बुजुर्गों के लिए बड़ा सामाजिक कदम' बताया था, उसी स्नेहधाम में रह रहे चार बुजुर्गों को कॉन्ट्रैक्टर ने परिसर खाली करने का नोटिस थमा दिया है। इस घटनाक्रम ने न केवल बुजुर्गों को सदमे में डाल दिया है, बल्कि सरकार और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

28 फरवरी तक खाली करने का नोटिस-आईडीए ने स्नेहधाम के संचालन की जिम्मेदारी बालाजी सेंटेला होम्स प्राइवेट लिमिटेड को दी है। कंपनी ने 70 से 90 वर्ष आयु के चार

बुजुर्गों को 28 फरवरी तक परिसर खाली करने का नोटिस दिया है। अचानक मिले नोटिस से बुजुर्गों में चिंता और असुरक्षा का माहौल है। समाजसेवियों ने इसे संवेदनहीनता बताते हुए कहा कि जिन्हें सुरक्षित भविष्य का भरोसा देकर बसाया गया, उन्हें अब दर-दर भटकने पर मजबूर किया जा रहा है।

कॉन्ट्रैक्टर का कहना है कि स्नेहधाम की क्षमता 108 वरिष्ठ नागरिकों की है, लेकिन फिलहाल केवल चार बुजुर्ग रह रहे हैं, जिससे संचालन आर्थिक रूप से संभव नहीं है। दूसरी ओर, आईडीए ने कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैकलिस्ट करने और अर्नेस्ट मनी जब्त करने की चेतावनी दी है। आईडीए का कहना है कि यदि मौजूदा कंपनी संचालन नहीं करती, तो किसी अन्य एनजीओ को जिम्मेदारी दी जाएगी।

9 जनवरी को समाजसेवी संजय अग्रवाल के साथ कुछ लोग स्नेहधाम पहुंचे तो बुजुर्गों की स्थिति सामने आई। यहां रह रही रिटायर्ड प्रिंसिपल अनुराधा जैन ने बताया कि रहने के लिए उनसे दो लाख रुपए सिक्योरिटी और 35 हजार रुपए मासिक शुल्क लिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि बिना किसी लिखित एग्रीमेंट के एक महीने में घर खाली करने का नोटिस देना किस नीति का हिस्सा है। जैन ने कहा कि स्नेहधाम का प्रचार-प्रसार नहीं होने से लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं है। उन्होंने शुल्क कम करने और सोशल मीडिया व मीडिया के माध्यम से प्रचार की मांग की, ताकि अधिक बुजुर्ग यहां आ सकें।

कार पार्क करने का झंझट होगा खत्म

शहर में शुरू होगी 8 मंजिला हाइटेक पार्किंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में लोगों को जल्द ही पार्किंग की बड़ी समस्या से निजात मिलने वाली है। शहर में ग्रेटर कैलाश हॉस्पिटल के पास बन रही 8 मंजिला मल्टी-लेवल कार पार्किंग का काम अंतिम चरण में है और इसे अप्रैल से शुरू करने की तैयारी है। इस हाईटेक पार्किंग के शुरू होने से न केवल लोगों को गाड़ी खड़ी करने की सुरक्षित जगह मिलेगी, बल्कि सड़कों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम में भी कमी आएगी।

इंदौर में लंबे समय से ट्रैफिक और पार्किंग एक बड़ी चुनौती रही है। मुख्य सड़कों के किनारे अवैध रूप से गाड़ियां खड़ी होने से अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम ने इस आधुनिक पार्किंग का निर्माण शुरू किया था। हाइड्रोलिक सिस्टम पर आधारित इस पार्किंग

में एक साथ करीब 150 कारें और लगभग इतने ही दोपहिया वाहन पार्क करने की क्षमता होगी।

महापौर के दौरे के बाद काम में आई तेजी-इस पार्किंग का निर्माण BOT (बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर) मॉडल पर किया जा रहा है, जिसके तहत एक एजेंसी इसका निर्माण और कुछ वर्षों तक संचालन करेगी, जिसके बाद इसे नगर निगम को सौंप दिया जाएगा। हाल ही में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निर्माण स्थल का दौरा कर काम की प्रगति का जायजा लिया था। उन्होंने अधिकारियों को काम में तेजी लाने और इसे अप्रैल तक शुरू करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद निर्माण कार्य तेज हो गया है।

पार्किंग शुरू होने के बाद ग्रेटर कैलाश हॉस्पिटल के आसपास मुख्य सड़क पर गाड़ियों की पार्किंग पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी जाएगी। इससे सड़क चौड़ी होगी और पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ भी खाली हो जाएगा।

शहर के अन्य हिस्सों में भी बनेंगी पार्किंग-इंदौर नगर निगम की योजना शहर के अन्य व्यस्त इलाकों में भी इसी तरह की मल्टी-लेवल पार्किंग बनाने की है। राजवाड़ा, विजयनगर और भंवरकुआं जैसे क्षेत्रों में भी ऐसी पार्किंग के लिए जगह तलाशी जा रही है। निगम का मानना है कि इन पार्किंगों के बनने से शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। पार्किंग शुरू होने के बाद लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ अवैध पार्किंग करने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की जाएगी।

हाईटेक सुविधाओं से लैस होगी पार्किंग

यह पार्किंग पूरी तरह से आधुनिक तकनीक पर आधारित है। इसमें गाड़ियों को पार्क करने के लिए हाइड्रोलिक सिस्टम का इस्तेमाल किया जाएगा। सुरक्षा के लिए पूरी बिल्डिंग सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगी। इसके अलावा, यहां ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे लोग आसानी से अपनी गाड़ी पार्क कर सकेंगे और वापस ले जा सकेंगे।

पंढिनाथ थाने से हटाए गए थाना प्रभारी की कार्य शैली आम जनता में अच्छी थी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव एवं पूर्व शहर कांग्रेस महामंत्री मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के मीडिया प्रभारी नितीश भारद्वाज ने एक बयान जारी करते हुए बताया है कि इंदौर शहर के थाना पंढरीनाथ से हटाए गए थाना प्रभारी अजय राजोरिया की कार्य प्रणाली क्षेत्र में अच्छी थी और आम जनता में पकड़ एव व्यवहार अच्छा था वहीं इसके पूर्व थाना पंढरीनाथ से हटाए गए थाना प्रभारी कपिल शर्मा की भी कार्य प्रणाली अच्छी थी दोनों ही थाना प्रभारी रहे शर्मा राजोरिया की आम जनता में पकड़ थी और उनकी कार्य प्रणाली भी अच्छी थी एवं थाने पर जाने वाली आम जनता की सुनवाई तत्काल होती थी छोटी-मोटी बातों पर बार-बार थाना पंढरीनाथ से थाना प्रभारी को हटाए जाने से एक अच्छा संदेश नहीं गया है उच्च अधिकारियों को चाहिए कि वह पहले थाने के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में थाना प्रभारी एवं पुलिस की कर कार्य प्रणाली पर आम जनता में जाकर उनकी कर प्रणाली की जानकारी लेना चाहिए वही दोनों थाना प्रभारी रहे शर्मा राजोरिया का आम जनता में सम्मान था निष्पक्ष थाना प्रभारी थे अपराधों में रोकथाम थी गुंडों अपराधीयो और आसामाजिक तत्वों में डर था और उनकी कार्य प्रणाली निष्पक्ष थी कभी किसी के साथ वह आम जनता के साथ भेदभाव नहीं था ऐसे में बार-बार कुछ ही महीना बाद थाना प्रभारी को हटाया जाना उचित नहीं है थाना प्रभारी को हटाए जाने से एक अच्छा संदेश आम जनता एवं थाना पंढरीनाथ क्षेत्र में अच्छा संदेश नहीं गया है।

अटल गृह ज्योति योजना में दी कुल 159 करोड़ की सब्सिडी

घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अटल गृह ज्योति योजना के तहत पिछले एक बिल माह के दौरान मालवा-निमाड़ में 34 लाख 12 हजार से अधिक उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। उपभोक्ताओं प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रुपए यूनिट की दर से प्रदान की गई, जबकि प्रदेश शासन की ओर से एक माह के दौरान कुल 159 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की गई है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 5.30 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। इंदौर जिले के उपभोक्ताओं को 21 करोड़ रूपए से ज्यादा की सब्सिडी प्रदान की गई है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार लाभार्थी उपभोक्ताओं से नियमित रूप से सब्सिडी प्राप्ति का फीडबैंक भी लिया जाता हैं। अटल गृह ज्योति योजना में उज्जैन जिले में 3.22 लाख उपभोक्ता,

धार जिले में 3.10 लाख, खरगोन में 2.98 लाख, रतलाम में 2.57 लाख, देवास में 2.40 लाख, मंदसौर जिले में 2.37 लाख, बड़वानी में 2.15 लाख, खंडवा 2.08 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र के अन्य 5 जिलों में 90 हजार से 1.80 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लागू इस योजना में प्रतिदिन औसत 5 यूनिट अधिकतम खपत वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी की पात्रता हैं।

लाभन्वितों की संख्या 6.07 लाख हुई-उधर, तीन माह या अधिक समय बकाया बिजली बिल को जमा करने पर लागू समाधान योजना के तहत अब तक पश्चिम मप्र में 6 लाख सात हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने सरचार्ज छूट का लाभ लिया है। योजना के अंतर्गत 50 से 90 प्रतिशत सरचार्ज माफी 28 फरवरी तक दी जा रही है। योजना में अब तक पश्चिम मप्र में 26 करोड़ से ज्यादा की छूट दी जा चुकी हैं, वहीं बिजली कंपनी को 149 करोड़ से ज्यादा का राजस्व प्राप्त हुआ है। मप्र शासन की इस समाधान योजना से सर्वाधिक इंदौर जिले के 75 हजार, रतलाम जिले के 61 हजार, उज्जैन जिले के 60600 बकायादार उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं।

आठ लेन का 21 किमी का बनेगा कॉरिडोर, लागत 2360 करोड़

इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को मंजूरी, किसान भी लगा सकेंगे उद्योग

दैनिक इंदौर संकेत

भोपाल ● सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर को मप्र औद्योगिक विकास निगम (एमपीएसआईडीसी) के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता वाले संचालक मंडल से मंजूरी मिल गई है। यह कॉरिडोर पीपुल्स समाचार आठ लेन विशेष का होगा, जिसकी लंबाई 21 किलोमीटर होगी। इंदौर से शुरू होकर यह पीथमपुर एबी रोड में मिलेगा।

यह पहली परियोजना होगी, जिसमें किसानों की सहमति से एमपीआईडीसी बड़े एरिया में औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर रहा है। कॉरिडोर के दोनों तरफ तीन से पांच किलोमीटर तक औद्योगिक क्षेत्र होंगे। किसान अपनी जमीन पर उद्योग लगा

सकेंगे या फिर उसे उद्योगों को बेच भी सकेंगे। इस क्षेत्र को पीपीपी मोड पर विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा कुल विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा किसानों को आवंटित किया जाएगा। इससे कॉरिडोर के आसपास के गांवों के ग्रामीण लाभान्वित होंगे।

कॉरिडोर में कुल 17 गांवों की जमीन शामिल की गई है, जिसमें लगभग 3200 एकड़ क्षेत्र अधिग्रहण के दायरे में है। हालांकि इस प्रक्रिया को लेकर कई जमीन मालिकों ने आपत्तियां भी दर्ज करवाई थीं। स्थानीय स्तर पर सुनवाई के बाद करीब 450 से अधिक अपीलें भोपाल स्थित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष लंबित हैं, जिनकी सुनवाई फिलहाल जारी है।

राज्य सरकार ने जमीन मालिकों को संतुष्ट करने के लिए लैंड पूलिंग एक्ट के तहत नई योजना लागू की है। इसके तहत भूस्वामी चाहें तो अपनी जमीन के बदले 60 प्रतिशत विकसित भूखंड वापस पा सकते हैं। वहीं जो नकद मुआवजा चाहते हैं, वे शासन की भूमि क्रय नीति के तहत भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। उद्योगों के साथ हाउसिंग स्कीम भी लागू होगी। हाउसिंग स्कीम में कॉलोनाइजर उद्योग में काम करने वाले कर्मचारियों और कारोबारियों के लिए आवास उपलब्ध कराएंगे। इसमें किसान और बिल्डर मिलकर कॉलोनी काट सकेंगे। इसमें दुकानें, मॉल और शॉपिंग कॉम्पलेक्स और ऑफिस एरिया डेवलप होगा।

किसानों की 1290 हेक्टयर भूमि की जाएगी विकसित

प्रस्तावित योजना में कोडियाबर्डी, नैनोद, रिंजलाय, बिसनावदा, नावदा पंथ, श्रीराम तलावली, सिन्दोड़ा, सिन्दोड़ी, शिवखेड़ा, नरलाय, मोकलाय, डेहरी, सोनवाय, भैंसलाय, बागोदा, टीही और धन्नड़ जैसे गांवों के किसानों को लाभ मिलेगा। इसमें कुल 1290.74 हेक्टेयर भूमि का विकास किया जाएगा, जिसमें से किसानों को मुआवजे के बदले विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 11 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

जनसुनवाई में दिखी संवेदनशील शासन व्यवस्था की मिसाल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील एवं लोककल्याणकारी शासन व्यवस्था को साकार करने के उद्देश्य से प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई में आज एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब जनसुनवाई से लाभान्वित एक बालक अपनी दोनों किडनी के सफल इलाज के बाद आभार व्यक्त करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। बालक अपने पिता के साथ जनसुनवाई में उपस्थित हुआ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जनहितकारी व्यवस्थाओं तथा कलेक्टर शिवम वर्मा की संवेदनशीलता के प्रति आभार व्यक्त किया। बालक के पिता रफीक शाह ने बताया कि उनके पुत्र तैयब की दोनों किडनी खराब हो गई थीं। इलाज के लिए समुचित चिकित्सीय व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अस्पताल में उसकी बीमारी की जांच, इलाज से लेकर खान-पान तक हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई गई। महंगे से महंगे इंजेक्शन भी लगवाए गए। इलाज से संबंधित यह पूरा खर्च रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से वहन किया गया।

संस्था सुर अंजलि की मेजबानी में सजेगी आम संगीत प्रेमियों के लिए यादगार संध्या

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था सुर अंजलि की मेजबानी में गुरुवार को साउथ तुकोगंज स्थित जाल सभागृह में आम संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार संध्या की दावत संजोयी जा रही है। 'दिल है कि मानता नहीं' शीर्षक इस संगीत संध्या में शहर के स्थानीय, वरिष्ठ एवं युवा कलाकार अपने एकल एवं युगल गीतों की प्रस्तुतियां देकर शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के साथ सदाबहार गीतों की झलक पेश करेंगे। संस्था के निर्देशक राजीव रॉय ने बताया कि शहर के जाने-माने संगीत संयोजक गुड्डू मिश्रा के निर्देशन में इस सुहानी और सुरीली शाम में श्रीमती संगीता पुराणिक, सुश्री हंसा साहू, डीपी श्रीवास्तव, राजकुमार झा, राजेंद्र कुलकर्णी, शिरीष गोडबोले, श्रीमती अर्चना भास्कर, डॉ. कीर्ति चतुर्वेदी, आलोक जैन, किशोर पांडव, सुनैना नाईक, हरि पी श्रीवास्तव और सुश्री कल्पना मिलकर करीब 40 सदाबहार और लोकप्रिय एकल एवं युगल गीतों की दावत प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम शहर के सुधि श्रोताओं के लिए निशुल्क खुला है लेकिन प्रवेश पहले आएं पहले पाएं आधार पर ही संभव होगा।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन परियोजना को मिली नई रफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों के कुल 20 गांवों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिसके बदले प्रभावित किसानों और भू-स्वामियों को मुआवजा राशि प्रदान की जाएगी।मुआवजा राशि निर्धारण में किसानो को उचित मुआवजा देने हेतु बिक्री छाँट की प्रक्रिया अपनाई गई ताकि किसानो को अधिकतम मुआवजा प्रदान किया जा सके । प्राप्त जानकारी के अनुसार परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के बदले कुल 626 करोड़ 49 लाख 76 हजार 436 रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। वहीं इस परियोजना से जुड़े कुल 662 प्रभावित खातेदार/परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। निर्धारित मुआवजा के वितरण का कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया है ।

ये गांव शामिल – परियोजना के तहत हातोद और सांवेर तहसील के 20 गांव शामिल हैं। इनमें प्रमुख रूप से बुढ़ानिया, हातोद, सगवाल, कांकरिया बोडिया, जंबूड़ी सरवर, जिन्दाखेड़ा, रतनखेड़ी, बीबी खेड़ी, पिपलिया कायस्थ, हरियाखेड़ी, खतेडिया, रंगकराडिया, कछालिया, बलघारा, पोटलोद, टुमनी, मगरखेड़ी, चित्तौड़ा, बालरिया और रालामंडल गांव शामिल है।

किसानों को मिलेगा बड़ा आर्थिक लाभ

भूमि अधिग्रहण के बदले दी जा रही मुआवजा राशि से प्रभावित किसानों और परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। साथ ही यह परियोजना क्षेत्र के विकास, परिवहन सुविधा और व्यापारिक गतिविधियों को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह सड़क धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने विशेषकर सिंहस्थ के लिए भी मददगार होगी।

विकास को मिलेगी नई दिशा

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन बनने से दोनों शहरों के बीच आवागमन आसान होगा। इसमें रोड के दोनों और सर्विस रोड बनाये जाने का भी प्रावधान रखा गया है साथ ही कई स्थानों पर अंडर पास एवं डक्ट भी बनाये जाएँगे ।इससे औद्योगिक, व्यापारिक और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जनजातीय कार्य और महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की निरंतरता के लिए 7,133 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति अनुसार जनजातीय कार्य विभाग की पीवीटीजी आहार अनुदान योजना के लिए 2,350 करोड़ रूपये, एकीकृत छात्रावास योजना के लिए 1,703 करोड़ 15 लाख रूपये, सीएम राइज विद्यालय योजना के लिए 1,416 करोड़ 91 लाख रूपये, आवास सहायता योजना के लिए 1,110 करोड़ रूपये के साथ ही माध्यमिक शिक्षा मण्डल को शुल्क की प्रतिपूर्ति, अनुसूचित जाति जनजाति के अभ्?यार्थियों को छात्रवृत्ति, कक्षा-9वीं की छात्रवृत्ति के लिए 522 करोड़ 8 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास की मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के लिए 31 करोड़ 3 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे-मातरम् गायन के साथ आरंभ हुई।

मंत्रि-परिषद ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (ष्ठ-छ्वद्व) अन्तर्गत विद्युत अधोसंरचना विस्तार द्वारा 63 हजार 77 अविद्युतीकृत घरों एवं 650 अविद्युतीकृत शासकीय संस्थानों के विद्युतीकरण के लिए 366 करोड़ 72 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसमें केन्द्र शासन से अनुदान राशि 220 करोड़ 03 लाख रूपये तथा राज्य शासन का अंश 146 करोड़ 69 लाख रूपये का भार आयेगा। इसके अतिरिक्त (म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा) 8 हजार 521 घरों को ऑफ-ग्रिड से विद्युतीकरण के लिए अनुमानित लागत 97 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

योजना में विद्युतीकरण से संबंधित वितरण प्रणाली निर्माण के लिए योजना लागत की शेष राशि (केन्द्र से प्राप्त अनुदान को छोड़कर) राज्य शासन द्वारा राज्य की वितरण कंपनियों को अंश-पूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। म.प्र. ऊर्जा विकास निगम द्वारा किए जाने वाले ऑफ ग्रिड विद्युतीकरण (सोलर + बैटरी) के लिए योजना के समस्त व्यय का वहन राज्य शासन द्वारा किया जायेगा।

कांग्रेस ने शिक्षा के नाम पर कुकरमुत्ते की तरह उग आए कोचिंग के खिलाफ आंदोलन करेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • कांग्रेस नेता विवेक खंडेलवाल ने बताया कि इंदौर शहर में शिक्षा के नाम पर चल रहे कोचिंग संस्थानों की अनियंत्रित और लापरवाह व्यवस्था अब बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। हाल ही में कैटलिसर कोचिंग संस्थान में एक नाबालिग छात्रा के साथ कर्मचारी द्वारा की गई कथित अश्लील एवं आपत्तिजनक हरकत अत्यंत शर्मनाक, निंदनीय और अस्वीकार्य है। यह घटना न केवल एक छात्रा की गरिमा पर हमला है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र पर प्रश्नचिन्ह है। शहर में गली-गली बिना किसी निगरानी और जवाबदेही के उग आए कोचिंग सेंटर बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। कांग्रेस पार्टी इस मामले की कड़े शब्दों में निंदा करती है और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करती है।

इसी संदर्भ में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर 'स्टूडेंट सेफ्टी पॉलिसी' लागू करने की मांग करेगा ।

कांटाफोड़ शिव मंदिर पर कल से शुरू होगा पांच दिनी महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर पर पांच दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार 12 फरवरी को सुबह 10 बजे भगवान भोलेनाथ को हल्दी लगाने के साथ होगा। सैकड़ों श्रद्धालु दूल्हा बने भोलेनाथ को हल्दी लगाएँगे। महाशिवरात्रि के मुख्य महापर्व पर रविवार 15 फरवरी को दोपहर 1 बजे दुल्हे राजा को केसर के जल से स्नान कराया जाएगा। 15 फरवरी को मंदिर पर माँ वैष्णो देवी के पिंडी स्वरुप के साथ भव्य एवं विशाल पवित्र गुफा की प्रतिकृति का निर्माण भी झांकी के रूप में होगा। महोत्सव के लिए व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई हैं। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग एवं संयोजक बीके गोयल ने बताया कि प्रतिवर्ष की परम्परा के अनुरूप इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर मंदिर आने वाले हजारों भक्तों के लिए मनमोहक झांकी का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इस बार स्थानीय कलाकार मिलकर माँ वैष्णो देवी के पिंडी स्वरुप की झांकी बना रहे हैं। माँ के दर्शन हेतु भक्तों को एक गुफा से होकर गुजरना होगा, जिसका निर्माण कार्य पिछले 5 दिनों से 10 कलाकार कर रहे हैं। गुफा के निर्माण में दोनों ओर थर्माकोल, प्लाय, स्ट्राबोर्ड, परदे, फूल, नक्काशी, पहाड़ी-चट्टानों की प्रतिकृति, वालपेपर, लकड़ी, बांस सहित अन्य सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

शुभारंभ हल्दी से – मंदिर पर 5 दिवसीय महोत्सव का शुभारम्भ गुरुवार को सुबह 10 बजे हल्दी रस्म के साथ होगा। शुक्रवार 13 फरवरी को सुबह 10 बजे मेहँदी लगाई जाएगी और शनिवार 14 फरवरी सुबह 10 बजे दूल्हे राजा को सुगन्धित उबटन लगाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर 15 फरवरी को दोपहर 1 बजे सैकड़ों श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ को केसर के जल से स्नान कराएंगे और उसके बाद शाम 6 बजे तक दूल्हे राजा के रूप में उनका अनुपम श्रृंगार होगा। हजारों श्रद्धालु इस श्रृंगार दर्शन के लिए वैष्णो देवी की गुफा की प्रतिकृति से होकर गर्भ गृह तक पहुंचेंगे।

इंदौर ● पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भाजपा नेताओं ने माल्यार्पण किया।

कृषक कल्याण वर्ष में मत्स्य पालकों की आर्थिक समृद्धि के लिए बनाई जाए कार्य योजना

मुख्यमंत्री ने की मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के सभी किसानों और मछुआरों की आर्थिक समृद्धि के लिए संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है, इसके साथ हमें मत्स्य उत्पादन में भी सक्रियता से कार्य कर आने वाले वर्षों में इसे दोगुना करने की दिशा में काम करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए प्रदेश में मछली पालन के साथ ही एक्वाकल्चर के क्षेत्र में भी कार्य किया जाए। प्रदेश में ऐसा इको सिस्टम तैयार किया जाए, जिससे मछुआरों का आर्थिक सशक्तिकरण हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को समर्पित करते हुए यह वर्ष मना रही है। मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में देश का नंबर-1 राज्य बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। मछुआ सम्मेलन आयोजित कर मत्स्य पालन में बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। सीड प्रोडक्शन बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। प्रदेश में संचालित मत्स्य महासंघ के सुव्यवस्थित उपयोग के लिए भी कार्य करने के निर्देश मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि कम भू-जल स्तर वाले जिलों में फॉर्म पॉन्ड मॉडल के माध्यम से मत्स्य उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए एक जिले को मॉडल के रूप में तैयार किया जाए, जिसमें मत्स्य उत्पादन के साथ ही सिंघाड़ा, कमल गट्टा, मखाना सहित अन्य एक्वाकल्चर आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की दिशा में मध्यप्रदेश केज कल्चर नीति पर कार्य किया जा रहा है। इसमें 10 हजार केज हितग्राही मूलक योजना में और 90 हजार केज उद्यमी मॉडल के अंतर्गत तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के विषय में भी अधिकारियों ने विस्तार से जानकारी दी।

विद्याधाम परिसर में नया सत्संग सभागृह बनाने के लिए आज होगा भूमि पूजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम आश्रम परिसर में बुधवार 11 फरवरी को श्री महाकोश निधि ट्रस्ट की मेजबानी में सुबह 11 बजे नए सत्संग सभागृह के लिए आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती भगवन की प्रेरणा एवं महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन होगा। आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि राज्य के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन की रस्म सम्पन्न होगी। लगभग 7 हजार वर्गफुट क्षेत्रफल में बनने वाले इस सत्संग भवन में करीब 400 दर्शक या श्रोता बैठकर वहां होने वाले मांगलिक प्रसंगों के साक्षी बन सकेंगे। भूमि पूजन से 20 माह की अवधि में इस सत्संग सभागृह का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नया सभागृह आश्रम की भोजन शाला के सामने बनेगा।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

रील बनाने का जानलेवा जुनून, तकनीक के जाल में उलझती जिंदगी और खत्म होता विवेक

आधुनिक तकनीक के रूप में मोबाइल या स्मार्टफोन जितना उपयोगी साबित हुआ है, उसके समांतर अब उसके ऐसे खमियाजे भी सामने आ रहे हैं, जो कई बार व्यक्ति को बहुस्तरीय मानसिक परेशानियों के संजाल में फंसा लेते हैं, तो कभी वह उस चक्र में फंस कर अपनी जान भी गंवा बैठता है। स्मार्टफोन में कोई गेम खेलते हुए बच्चों के आत्महत्या कर लेने की खबरें अक्सर सामने आती रही हैं। मगर इसके अलावा आजकल सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर संक्षिप्त वीडियो या रील बना कर प्रसारित करने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ती देखी जा रही है, उसने एक नई चिंता पैदा की है। हालत यह है कि सोशल मीडिया पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक अपनी बात या किसी मनोरंजक गतिविधि को पहुंचाने के लिए लोग अजीबोगरीब तरीके भी अपनाने लगे हैं। इस क्रम में सामग्री तैयार करने के लिए वे किसी तरह के औचित्य के प्रश्न से नहीं जूझते, बल्कि उनके दिमाग में सिर्फ लोकप्रिय होने या ज्यादा से ज्यादा दर्शक हासिल करने की बात हावी रहती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक महिला अपने घर में साड़ी से फंदा बना कर लटक गई, जिससे उसका गला कस गया और आखिर उसकी जान चली गई। खबरों के मुताबिक, वह सिर्फ दिखाने के लिए रील बनाने की कोशिश कर रही थी। हाथ में स्मार्टफोन होने और उसके इस तरह के इस्तेमाल की यह अति है कि कोई सिर्फ शौक और लापरवाही की वजह से अपनी जान गंवा बैठे। रील बनाने के क्रम में हादसे का शिकार होकर मौत की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं, जो लोगों के बीच चर्चा और चिंता का कारण बनीं। ऐसे किसी हादसे का सबक यह होना चाहिए था कि लोग इस तरह के बेलगाम मनोभाव का शिकार न हों। मगर विडंबना यह है कि पिछले कुछ समय से स्मार्टफोन से रील बनाने का शौक अब विवेक और सुरक्षा के तमाम तकाजों को धता बताने की ओर बढ़ता लग रहा है। केवल दिखावे के लिए आधुनिक तकनीक हासिल करना एक बात है और विवेक तथा उचित प्रशिक्षण के साथ उसका उपयोग करना दूसरी बात। स्मार्टफोन में रील देखने से लेकर बनाने के संजाल में गुम होने के दूरगामी नुकसान अब सामने आने लगे हैं।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक

व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले, विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।

पं. दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए।

पं. दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है।

पं. दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुर्पुरुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ, तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं. दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त, समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है, उसके मूल में पं. दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और सबका साथ - सबका विकास, यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं. दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता, मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके, जर्मनी, जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद, कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड-शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा।

पं. दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, परिवहन, व्यापार समाज, सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी, तो किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं. दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025-26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल तथा केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा।

प्रदेश में श्रीअन्न, सरसों और चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। इन केंद्रों के जरिए फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रदेश के 30 लाख से अधिक किसानों को अगले तीन साल में सोलर पॉवर पम्प दिये जायेंगे। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 65 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 100 लाख हैक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने स्वाभिमानी, स्वावलंबी और विश्व कल्याण में अग्रणी भारत की कल्पना की थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका जीवन और दर्शन हम सबको राष्ट्रधर्म के पथ पर निरंतर अग्रसर करता रहेगा।

राष्ट्र निर्माण के अमर साधक पं. दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुनः कोटिशः वंदन।

डॉ. मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

आंचलिक

कांग्रेसी मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा, मसूद की कोर्ट जाने की चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ●विधायक और अल्पसंख्यक नेता आरिफ मसूद मंगलवार शाम पांच बजे बुरहानपुर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि बुरहानपुर में एसआईआर (संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण) के तहत बड़ी संख्या में फर्जी शिकायतें की गई हैं। इन शिकायतों के माध्यम से फॉर्म भरवाए गए हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां कांग्रेस को अधिक वोट मिलते हैं। मसूद ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग के प्रमुख से भी शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि वे बुरहानपुर जिला मुख्यालय पर कलेक्टर को समय रहते सचेत करने आए हैं। यदि शिकायतें फर्जी पाई जाती हैं, तो वे एफआईआर दर्ज कराएंगे और अदालत का भी रुख करेंगे। विधायक मसूद ने चेतावनी दी कि यदि शिकायतें फर्जी निकलीं तो कलेक्टर को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि दबाव में आकर मतदाता का हक छीना नहीं जा सकता। आरिफ मसूद के नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग के नेताओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर उप जिला निर्वाचन अधिकारी और सिटी मजिस्ट्रेट राजेश पाटीदार को ज्ञापन सौंपा। मसूद ने आगे कहा कि जो भी कांग्रेस से जुड़ा है, उस हर वर्ग को निशाना बनाया जा रहा है, और मुसलमान आज की तारीख में पहले नंबर पर टारगेट पर हैं। उन्होंने दावा किया कि 'लुटेरों का सिंडिकेट' चल रहा है और सरकारें लूटकर बनाई जा रही हैं। मसूद के अनुसार, मध्य प्रदेश में सबसे अधिक शिकायतें बुरहानपुर में ही लग रही हैं, जहां अल्पसंख्यक इलाकों में सबसे अधिक फॉर्म 7 भरवाए गए हैं।

मसूद ने सभी बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) से अपील की कि वे समय रहते इसमें सुधार कर लें। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सुधार नहीं किया गया तो एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। ज्ञापन देने का मुख्य मकसद था अधिकारियों को सचेत कर दिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह वर्ग विशेष से हटकर

उन सभी क्षेत्रों में हुआ है जहां कांग्रेस जीतती है, और फॉर्म सात का दुरुपयोग लोकतंत्र पर एक बड़ा हमला है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कलेक्टर मदद नहीं करेंगे तो उन्हें भी भुगतना पड़ सकता है। मसूद ने विश्वास जताया कि इस बार जनता कांग्रेस की सरकार बनाएगी।

ज्ञापन में यह भी कहा गया

पिछले माह एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट प्रकाशित की गई है जिसके तहत मतदाताओं को नो मैपिंग के नोटिस मिले हैं, जिन्हें तहसील बुलाया गया था। मतदाता अपनी आपत्ति सफलतापूर्वक दुरूस्त करा चुके थे, लेकिन अचानक कुछ दिनों में फॉर्म नंबर 7 की हर वार्ड में आपत्ति लगा दी गई। हर वार्ड में 200 से 300 आपत्तियां लगाई गई। कई वार्डों में तो यह संख्या 500 से 700 तक पहुंच गई हैं। अधिकांश शिकायतें फर्जी हैं। सारी जानकारी आनलाइन प्रिंटेड है और मात्र शिकायतकर्ता की जानकारी हाथ से भरी है। कुछ शिकायतकर्ता विधानसभा क्षेत्र के बाहर के हैं। इस दौरान अल्पसंख्यक कांग्रेस नेता फरीद काजी, सलीम कॉटनवाला, शैली कीर, राकेश खत्री, फहीम हाशमी सहित अन्य मौजूद थे।

नि:शक्त आदिवासी महिला जनसुनवाई में पहुंची, बंद पेंशन और पति की पेंशन चालू करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर ● बुरहानपुर में कलेक्ट्रेट में आयोजित जन सुनवाई के दौरान एक नि:शक्त आदिवासी महिला अपने आंखों से नि:शक्त पति के साथ पहुंची। उन्होंने अधिकारियों से अपनी बंद पेंशन फिर से शुरू करने और पति के लिए भी पेंशन स्वीकृत करने की मांग की।

नेपानगर क्षेत्र के ग्राम बाकड़ी की निवासी इस महिला ने बताया कि उनकी नि:शक्त पेंशन काफी समय से बंद है। उन्होंने कई बार आवेदन किए, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। महिला के पति तेनु आंखों से नि:शक्त हैं और उन्हें आज तक पेंशन नहीं मिली है। दंपती ने अधिकारियों को बताया कि उनके पास रहने के लिए अपना घर नहीं है और वे भीख मांगकर गुजारा करते हैं। एक व्यक्ति ने उन्हें रहने के लिए जगह दी है। अधिकारियों ने दंपती को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का जल्द निराकरण किया जाएगा। तेनु ने बताया कि अधिकारियों ने पंचायत के माध्यम से समस्या हल करने की बात कही है।

महाशिवरात्रि पर खंडवा-इंदौर रोड पर भारी वाहन बैन, ओंकारेश्वर में भीड़ के चलते फैसला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व पर ओंकारेश्वर में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने 14 फरवरी की सुबह 6 बजे से 16 फरवरी की रात 12 बजे तक खंडवा-इंदौर मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया है। इस दौरान भारी वाहनों को डायवर्टेड रूट से गुजरना होगा।

आदेश के अनुसार, बुरहानपुर और खंडवा से इंदौर जाने वाले भारी वाहन देशगांव से खरगोन होते हुए कसरावद, खलघाट और महू के रास्ते इंदौर जाएंगे। वापसी में इंदौर से खंडवा और बुरहानपुर आने वाले भारी वाहन इसी रूट (महू-खलघाट-कसरावद-खरगोन-भीकनगांव-देशगांव) का उपयोग करेंगे।

इन वाहनों को मिलेगी छूट

इस प्रतिबंध से आवश्यक सेवाओं को मुक्त रखा गया है। इनमें यात्री बसें, दूध वाहन, एंबुलेंस, पुलिस, फायर ब्रिगेड, पानी के टैंकर, आर्मी वाहन, विद्युत आपूर्ति, एलपीजी-पेट्रोलियम वाहन और मंडी में सब्जी ले जाने वाले वाहन शामिल हैं। ये वाहन निर्धारित रूट से आ-जा सकेंगे।

नर्मदा का जलस्तर स्थिर रखने के निर्देश

कलेक्टर ने एनएचडीसी (ह॥ष्ठष्ट) अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्नान के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर 14 फरवरी की सुबह 6 बजे से 16 फरवरी की रात 8 बजे तक नर्मदा नदी का जलप्रवाह नियंत्रित और एक समान रखा जाए। इस अवधि में अधिकतम तीन टरबाइन ही चलाई जाएंगी। रात में बिजली की मांग कम होने पर टरबाइन की संख्या तीन से कम की जा सकती है।

पंधाना पहुंचेंगे सीएम मोहन यादव, स्टेडियम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कई परियोजनाओं का लोकार्पण और भूमिपूजन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 14 फरवरी को पंधाना दौरा संभावित है। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। कलेक्टर-एसपी सहित जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया है। बतौर जनसभा यह कार्यक्रम सीएम राइज स्कूल मैदान में होगा। पंधाना विधायक छाया मोरे ने बताया कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन पर पंधाना क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, आवास, सड़क व अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन प्रस्तावित है। इनमें कॉलेज, खेल स्टेडियम, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिंचाई परियोजनाएं, औद्योगिक पार्क, गोदाम निर्माण, शासकीय आवास व अन्य शहरी विकास कार्य शामिल हैं।

विधायक मोरे के मुताबिक, पंधाना में अब तक कोई बस स्टैंड नहीं है। अब पुराने नगर परिषद भवन के पास बस स्टैंड का निर्माण प्रस्तावित किया गया है। दो मंजिला बस स्टैंड की लागत दो करोड़ 90 लाख रूपए है। इस काम के टेंडर जारी हो गए है। मुख्यमंत्री इस कार्य का भूमिपूजन करेंगे। इसके अलावा भाम नदी पर बने राजगढ़ डैम का लोकार्पण करेंगे। वहीं करीब 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण और सीएम राइज स्कूल पंधाना का लोकार्पण, हरसवाड़ा में गोडाउन का भूमिपूजन होगा।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता, एसपी मनोज कुमार राय ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, अग्निशमन व्यवस्था, यातायात प्रबंधन व आमजन के लिए बैठने, पानी और शौचालय की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटा हैं।

बुमराह-सुंदर ने की प्रैक्टिस, अभिषेक के खेलने पर संशय

नई दिल्ली (एजेंसी) • दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय टीम मंगलवार की शाम को प्रैक्टिस के लिए उतरी। इस मैदान पर भारत को 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप का मुकाबला खेलना है। इस मुकाबले से पहले दिल्ली में प्रैक्टिस के दौरान भारतीय खेमे से दो खुशखबरी आईं, लेकिन एक बुरी खबर भी सामने आई। दरअसल, जब भारतीय टीम दिल्ली में मंगलवार की शाम को करीब छह बजे प्रैक्टिस के लिए उतरी तो मैदान पर जसप्रीत बुमराह नजर आए, जिन्होंने नेट्स में काफी देर गेंदबाजी की। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी दिल्ली में टीम के साथ जुड़ गए। अगर बात बुरी खबर की करें तो यह खबर ओपनर अभिषेक शर्मा से जुड़ी हुई है। अभिषेक शर्मा बीमार हैं और उनके खेलने पर संशय बना हुआ है।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

लीमा (एजेंसी) • भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

चेन्नई (एजेंसी) • आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है। अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है। वानखेड़े स्टेडियम को ही लें भारतीय टीम को वहां सपाट पिच की उम्मीद थी पर जो पिच मिली वह काफी अलग रही। इससे टीम के लिए रन बनाना आसान नहीं रहा। अश्विन का मानना है कि पिच की इस प्रकृति ने टीमों को हैरान कर दिया है। उन्हें वह गति और उछाल नहीं मिल रहा है जिसकी उन्होंने भविष्यवाणी की थी। इसकी वजह से खेल और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंन कहा कि जब मैच में बल्ले और गेंद के बीच सही संतुलन होता है, तो टी20 क्रिकेट का मजा और बढ़ जाता है। ये देखा गया है कि 140, 150 या 160 के आसपास के स्कोर वाले मैचों में रोमांच अधिक होता है क्योंकि ऐसे हालातों में छोटी टीमों के पास भी बड़ी टीमों को हराने का अवसर होता है। वहीं यदि हर मैच में केवल बड़े स्कोर ही बनेंगे, तो गेंदबाजों के लिए कुछ नहीं रहेगा और मुकाबले एकतरफा हो जाएंगे। इसलिए, इस बार की पिचों को वह अच्छा कह रहे हैं। इनपर बल्लेबाज और गेंदबाज के पास समान अवसर हैं। ऐसे में वही टीम बेहतर कर पायेगी जो पिच को समझ सकेगी।

हमेशा अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं भूमि

मुंबई (एजेंसी) • एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा ग्लैमर और ज़रूरत से ज़्यादा ड्रामा से दूर, अलग और दमदार कहानियों को चुनती हैं। भूमि पेडनेकर कभी भी तयशुदा फॉर्मूले पर चलने वाली कलाकार नहीं रही हैं। अपनी पहली फिल्म से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, थैंक यू फॉर कमिंग, शुभ मंगल सावधान, बाला, भीड़, भक्षक, सांड की आंख जैसी फिल्मों के ज़रिए समाज से जुड़े मुद्दों पर बात करने की हिम्मत दिखाई है। अब उनकी ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ दलदल भी इसी कड़ी का हिस्सा है। भूमि की फिल्मों और शोज़ में दिखावा कम और कंटेंट ज़्यादा होता है। यही वजह है कि दर्शक उनकी कहानियों से जुड़ते हैं और बार-बार उन्हें देखना चाहते हैं। दलदल के ओटीटी हिट बनने के साथ भूमि ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके लिए माध्यम नहीं, बल्कि कला और अभिनय सबसे ज़रूरी है। बड़े पर्दे पर अपनी मजबूत पहचान बनाने के बाद, भूमि ने अमेज़न प्राइम की टॉप-ट्रेंडिंग साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर दलदल के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी अपनी पकड़ साबित की है।

महिला खुद तय करे रिश्ते की दिशा: शाल्मली खोलगडे

मुंबई (एजेंसी) • बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में बदलते दौर की मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने इम्प्रेशन में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। परेशान, बलम पिचकारी और लत लग गई जैसे यादगार गानों से पहचान बनाने वाली शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक इम्प्रेशन को लेकर कहा, मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है। म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, इम्प्रेशन मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा।

उज्जैन संभाग

नए गेहूं की दूसरी आवक, 2413 रु. बिका, पुराने का व्यापार पिटा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नए गेहूं के आवक का दौर चल रहा है। मंडी में नए गेहूं की दूसरी आवक सोमवार को 20 बोरी रही। यह आवक ताजपुर से रही। 15% से अधिक नमी वाला गेहूं मंडी नीलाम में 2413 रुपए बिका। इसे व्यापारी फर्म केसरी नंदन ने खरीदा। इधर मंडी में 50 लाख से अधिक का पुराना गेहूं कमजोर भाव पर बिका। उज्जैन क्षेत्र में इस समय गेहूं की फसल बेहतर है। सोडंग तरफ की लाइन पर गेहूं की फसल देरी से है। अभी खेतों में खड़ी है और बालियां भी झुकने लगी है। इस समय ऊंचाई वाले इलाकों का नया गेहूं बिकने आ रहा है। तेज धूप होने से गेहूं जल्दी पक रहा है। उज्जैन मंडी में 40000 क्विंटल से अधिक का गेहूं स्टॉक मौजूद है, जो सस्ते भाव पर भी बिकने को तैयार नहीं है। करीब 400 रुपए क्विंटल का नुकसान भी मिल रहा है। गेहूं की लाइनों पर एक माह से मांग नहीं आने से नुकसान का गाला बढ़ता जा रहा है। इस साल गेहूं निर्यात नहीं होने से हालात बदल चुके हैं। कारोबारी तो अपनी पूंजी को शार्ट होना ही मानने लगे है। इधर नए गेहूं की आवक के डर से खरीदार भी जरूरत अनुसार खरीदी कर रहे है। इन्हें पता है मार्च माह में सूखा नया गेहूं भारी मात्रा में बिकने आएगा और भाव भी सस्ते रहेंगे। सरकार का समर्थन दाम 2485 रुपए घोषित है। इधर उज्जैन मंडी के गेहूं ब्रोकरेज संजय खंडेलवाल के अनुसार गोदाम में डंप गेहूं देखकर भी व्यापारी खरीदी नहीं कर रहे। व्यापार पूरी तरह से पिट चुका है। मंडी में मिल क्वालिटी गेहूं 2400 से 2444 रुपए के भाव से ही बिक रहा है। इधर शादी विवाह का दौर भी 15 फरवरी के बाद रुक जाएगा। ऐसे में आटे की डिमांड भी कम से कम चल रही है।

महाशिवरात्रि से विक्रमोत्सव शुभारंभ, प्रीतम और विशाल मिश्रा की प्रस्तुति भी होगी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •15 फरवरी, महाशिवरात्रि पर्व से विक्रमोत्सव-2026 की भव्य औपचारिक शुरुआत होगी। इसके तहत 30 जून तक 139 दिनों तक देश और दुनिया में सांस्कृतिक, सामाजिक व आर्थिक गतिविधियों के आयोजन होंगे, जिनका साक्षी उज्जैन शहर बनेगा। 15 फरवरी को सुप्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम द्वारा शिवोऽहम महादेव की आराधना से महोत्सव का शुभारंभ होगा। द्वितीय चरण 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जलगंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संपन्न होगा। इसके साथ ही सम्राट विक्रमादित्य के नाम से 21 लाख रुपए का एक राष्ट्रीय सम्मान और 5-5 लाख रुपए की राशि वाले तीन राज्य स्तरीय

सम्मान प्रदान किए जाएंगे। 139 दिवसीय इस महोत्सव में 41 से अधिक बहुआयामी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इनमें शिवरात्रि मेलों का शुभारंभ, महाकाल वन मेला, कृषि मेला, कलश यात्रा, विक्रम व्यापार मेला, संगीत, नृत्य एवं वादन, शिवोद्य, शिवपुराण, अनादि पर्व, विक्रम नाट्य समारोह, पुतुल समारोह, 'संगीत का उद्भव' वैचारिक समागम, चित्र प्रदर्शनियां, संगोष्ठियां, विक्रमादित्य का न्याय समागम, भारतीय इतिहास समागम, राष्ट्रीय विज्ञान समागम, वेद अंताक्षरी, कोटि सूर्योपासना, शिल्प कला कार्यशाला, प्रकाशन लोकार्पण, पौराणिक फिल्मों का अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, बोलियों एवं हिंदी रचनाओं का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन शामिल हैं।

इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मातृशक्ति कवयित्री सम्मेलन, ड्रोन शो तथा ख्यात कलाकार प्रीतम और विशाल मिश्रा की प्रस्तुतियां भी होंगी। सबसे महत्वपूर्ण आकर्षण देश का सबसे बड़ा सम्मान सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय अलंकरण रहेगा। ौराणिक फिल्मों का अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव 13 से 17 मार्च 2026 तक उज्जैन में आयोजित किया जाएगा। इसमें 25 से अधिक देश शामिल होंगे। समारोह के दौरान अंग्रेजी, फ्रेंच, हिब्रू, रूसी, स्पेनिश, इटैलियन, डच, मंगोलियन, फिजियन, इंडोनेशियन, अफ्रीकी, नाइजीरियन, सिंहली और ग्रीक भाषाओं सहित 25 से अधिक पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस फिल्म समारोह में महाभारत पर केंद्रित फिल्मों का विशेष प्रदर्शन भी किया जाएगा।

गाड़ी अड्डा से मक्सी रोड तक 80 फीट चौड़ी होगी सड़क, 190 मकान टूटेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सड़क चौड़ीकरण को लेकर गाड़ी अड्डा से लेकर मक्सी रोड बायपास के बीच ?नया बखेड़ा खड़ा हो गया। करीब 20 फीट सड़क को 80 फीट चौड़ा करने के लिए नगर निगम का चिह्नांकन शुरू होते ही रहवासी विरोध में खड़े हो गए। पूरी मार्ग पर कई जगह 24 मीटर के प्लान को 15 मीटर चौड़ा रखने की मांग उठा दी।

इसको लेकर रहवासियों ने विधायक से लेकर निगम सभापति और कलेक्टर स्तर तक आवाज उठाना शुरू करा दी। सोमवार प्रभावित लोग कलेक्टोरेट पहुंचे और सड़क की चौड़ाई कम करने की मांग की। प्रभावित क्षेत्र के गोपाल विश्वकर्मा ने बताया कि यहां 80 फीट चौड़ी सड़क की जरूरत ही नहीं है। ऐसा होने से करीब 200 लोगों के मकान टूट जाएंगे। कई लोगों के पास तो मकान इतनी जगह भी नहीं बचेगी। ऐसी मनमानी के खिलाफ हम चुप नहीं बैठेंगे। सोनू बारोड़ ने बताया कि हमारे निजी प्लॉट है। बावजूद इसके कई लोगों को नगर निगम ने 7 दिन में मकान हटाने का नोटिस दे दिया। इधर, नोटिस देखते ही एक महिला की आंखों से आंसू निकल आए।

एफएआर की अनुमति जिन लोगों के मकान सड़क से लगे हुए है, उन्हें सेंटर से 12 मीटर दूर तक का अपना हिस्सा तोड़ना होगा। इन लोगों को मकान तोड़कर यहां सड़क बनाने के एवज में मुआवजा भी नहीं मिलेगा। सिर्फ उन्हीं को मुआवजे की पात्रता होगी, जिनके मकान का 75% हिस्सा टूट रहा हो। इसके अलावा अन्य को जरूरत पड़ने पर एफएआर या टीडीआर के तहत अतिरिक्त निर्माण की अनुमति ही मिल सकेगी।

शिकायत निराकरण नहीं करने पर सीएमएचओ और नागदा सीएमओ सहित 3 को नोटिस

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सीएम हेल्प लाइन की शिकायतों का तय समय में करने के कहा जा रहा है। बावजूद कई अधिकारी इसे नजर अंदाज कर रहे हैं। सोमवार को सीएल पत्रों की समीक्षा बैठक में 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों के निराकरण पर ध्यान नहीं देने पर कलेक्टर रौशन सिंह ने सीएमएचओ डॉ. अशोक कुमार पटेल, नागदा के प्रभारी सीएमओ रवि गुप्ता और उच्च शिक्षा विभाग की जिला अधिकारी वंदना गुप्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने की कार्रवाई की है। इनके अलावा बैठक में अनुपस्थित रहने पर उन्हेल नगर परिषद सीएमओ संजय देवड़ा पर भी कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 11 फरवरी के प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियां करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर्व से जुड़ी तैयारियों को भी वक्त रहते पूरी करने को भी कहा। स्वास्थ्य की 50 दिन से अधिक लंबित 330 शिकायतें प्रशासन के आंकड़े बताते हैं कि सीएम हेल्पलाइन में स्वास्थ्य विभाग की 50 दिन से अधिक की पें?डिंग शिकायतें करीब 330 हैं। बताया जाता है कि इनमें से अधिकांश शिकायतें ऐसी हैं, जिनका निराकरण किया जाना आसान है लेकिन जिम्मेदार इसमें रूचि नहीं ले रहे हैं। वहीं नागदा नगरीय निकाय की 50, उच्च शिक्षा की 17 तथा विवि की 81 शिकायतें हैं जो कि 50 दिन से अधिक दिनों की पेंडिंग वाली है।

सोयाबीन के भाव 200 रुपए गिरे, प्लांट ने खरीदी ऑफर में कमी की

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सोयाबीन के भाव में सोमवार को सीधी 200 रुपए की गिरावट आ गई। प्लांट ने 5750 वाले ऑफर सोमवार को दोपहर में 5400 से 5425 में बदल दिए। देखा जाए तो उज्जैन मंडी का नीलाम 11 बजे शुरू हुआ तो मंडी 100 रुपए घटकर बिकी। प्लांट ने भाव 12 बजे बाद खोले। ऐसे में खरीदार को 100 का अतिरिक्त नुकसान भी लग गया। सोमवार को दिनभर सोयाबीन व्यापारियों में भाव को लेकर मंथन चलता रहा। इसे पशु आहार के आयात को जोड़कर भी देखा गया। सोया खली का निर्यात जीरो होने पर भी घबराहट में भाव का स्तर नीचे आ गया।

मंडी नीलाम में 5600 से 6060 रुपए के भाव रहे। डेढ़ करोड़ रुपए से अधिक का सोयाबीन किसानों ने नीलाम में बेचा। इसके खरीदार 100% प्लांट वाले ही रहे। मोटर बिल्टी का व्यापार करने वाले तो लंबे समय से अपने भाव पर सोयाबीन नहीं खरीद पा रहे है।

इधर स्टॉक वाले करीब 60% महंगे भाव पर सोयाबीन बेचकर 700 रुपए क्विंटल से अधिक का लाभ पहले ही ले चुके हैं। 40% तो 6000 और 7000 रुपए की संभावना में होल्ड

कर गए। अब जो भाव चल रहे हैं वह नुकसान वाले ही बने रहे। सोयाबीन कारोबारी के अनुसार 200 से 250 रुपए की गिरावट आई तो अब 50 रुपए का सुधार भी आ सकता है। कम भाव का व्यापार करने वाले तो भाव 5000 से भी कम बताने लगे है। इधर सोयाबीन भावांतर में बेचने वालों को कोई नुकसान भी नहीं हो रहा। होल्ड करने वाले ही तादाद कम रहने से किसानों में हाहाकार की स्थिति नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित व्यक्तियों को नि:शुल्क आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने हेतु मध्यप्रदेश राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड क्रमांक 6(4) तथा संशोधित प्रावधानों के तहत जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। देपालपुर अनुविभागीय अधिकारी आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि इंदौर जिले की तहसील देपालपुर के ग्राम रामपुरिया निवासी स्व. मनीष पिता मुकेश की विगत 28 नवंबर 2025 को कुएँ में डूबने से मृत्यु हो गई थी। उक्त दुर्घटना के पश्चात मृतक की पत्नी आवेदिका श्रीमती जया पति स्व. मनीष को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की मानवीय पहल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● यह एक प्रशासनिक फ़ैसला नहीं अपितु संवेदनाओं से भरा फ़ैसला है। एक ऐसे समय में जब पिता का साया बेटियों के सर से उठ जाता था और घर में माँ की ममता भी नहीं हो , ऐसे में नियम कानूनों की अड़चन बेटियों को पेंशन लेने से भी रोक देती थी। लेकिन अब पिता का साया उठने पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की सरकार ने मानवीय पहल करते हुए ऐसी बेटियों को पेंशन का हक़दार बना दिया है। आज कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार परिवार पेंशन में अविवाहित / विधवा/तलाक़शुदा पुत्री भी हक़दार होगी।

मंत्री विजयवर्गीय ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर महाराणा प्रताप अस्पताल को भेट की एम्बुलेंस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार 10 फरवरी को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने पूज्य पिताश्री स्वर्गीय शंकरदयाल विजयवर्गीय (काकाजी) की पुण्यतिथि पर उनके द्वारा किये गए सेवा और समर्पण के संस्कारों को आगे बढ़ाने का विनम्र प्रयास किया है। इसी भाव से स्व. शंकरदयाल विजयवर्गीय पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से इंदौर के बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप अस्पताल को एंबुलेंस भेंट की। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वहां दौरा किया था और बहुत सारे सुधार कार्य हम उसमें ला रहे हैं। अस्पताल से एक एंबुलेंस की मांग हमसे की गई थी और हमने एक एम्बुलेंस आज अस्पताल को भेंट की।

इंदौर में मनाया गया सुरक्षित इंटरनेट दिवस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आज इंदौर में सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार हर वर्ष के फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस विश्व भर में मनाया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भारत सरकार द्वारा 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' को 'स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प – एआई (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) के सुरक्षित और ज़िम्मेदार उपयोग' पर मनाया जा रहा हैं।

इंदौर की नई रिंग रोड में आ रही 25 गांवों की जमीन अधिग्रहण में देरी से शुरू नहीं हो पाया काम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पश्चिमी बायपास का निर्माण अभी भी शुरू नहीं हो पाया है, जबकि निर्माण की मंजूरी केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तीन साल पहले की थी। 70 किलोमीटर लंबी इस सड़क में 25 गांवों की जमीन का अधिग्रहण होना है, लेकिन अभी तक पांच गांवों की जमीन भी प्रशासन अधिगृहित कर पाया है और अधिग्रहण प्रक्रिया में हो रही देरी के कारण इस रिंग रोड के काम का मुर्हूत नहीं निकल पा रहा है,जबकि इस सड़क का निर्माण सिंहस्थ से पहले होना है, ताकि दूसरे राज्यों से आने वाले ट्रैफिक को उज्जैन जाने में परेशानी न हो पाए।

यह सड़क डकाच्या गांव से महू और पीथमपुर को जोड़ेगी इसके निर्माण से महू, पीथमपुर और देवास के ग्रामीण क्षेत्र इंदौर के और करीब आ जाएंगे और मार्ग के आसपास बसाहट शुरू हो जाएगी। 70 किलोमीटर मार्ग के निर्माण पर चार हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस सड़क में1131 हेक्टेयर जमीन अधिगृहित होना है। इसमें 40 हेक्टेयर वन विभाग की जमीन है।

ट्रैफिक का दबाव कम होगा

- रियल इस्टेट मार्केट में तेजी आएगी। नई टाउनशिप और उद्योग खुल सकेंगे।
- सड़क के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का व्यवस्थित विकास होगा। मास्टर प्लान की आंतरिक सड़कें बनेगी।
- दिल्ली और मुबंई की तरफ जाने वाले वाहन इंदौर के बजाए सीधे बायपास से देवास और मानपुर की तरफ जा सकेंगे।
- वर्तमान पूर्वी बायपास पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। हादसों पर भी रोक लगेगी।

पूर्वी बायपास 38 गांवों से होकर गुजरेगा। यह छहलेन बनेगा। दस साल पहले भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नए पूर्वी बायपास का सर्वे किया था, लेकिन बाद में पुराने बायपास को ही चार लेन से छहलेन करने का काम शुरू हो गया था और नए बायपास के निर्माण की योजना ठंडे बस्ते में चली गई थी।

सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि जितनी जमीन मिल चुकी है, वहां बायपास निर्माण शुरू करने के लिए अफसरों को कहा गया है। इस बायपास के बनने से देवास, महू, पीथमपुर को भी फायदा होगा।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से दो साल की बच्ची और एक बुजुर्ग की मौत

अब तक कुल 35 लोगों की मौत हुई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में दूषित पानी से होने वाली मौतों का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रशासन इस पर कड़ी कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। दूषित पानी से दो और मोत हो गई है। इसमें दो साल की बच्ची भी शामिल है।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी के कांड से मौतों का सिलसिला नहीं थम रहा है। अब दो मौत और हो गई है। इसमें एक दो साल की बच्ची है तो एक 75 साल के बुजुर्ग। कुल मौत की संख्या 35 हो गई है। उधर हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त जांच कमीशन ने जांच शुरू कर दी है। सोमवार की रात को 75 साल के बुजुर्ग शालिग्राम ठाकुर की मौत हो गई। उनकी बेटी मोना बघेल ने

कहा कि दो जनवरी को उन्हें उल्टी-दस्त के चलते भर्ती किया था। फिर दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया और इसके बाद वह वेंटिलेटर पर थे। इसके बाद उन्हें डिस्चार्ज किया था। परिजनों का कहना है कि 18 साल पहले उन्हें लकवा हुआ था इसके सिवा कोई समस्या नहीं थी। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी है कि उन्हें कार्डियक समस्या थी। वहीं दो साल की बच्ची रिया पिता सूरज प्रजापति की मंगलवार 10 फरवरी की सुबह मौत हो गई। परिजनों ने 27 दिसंबर को उल्टी-दस्त के चलते भर्ती कराया था। इसके बाद फिर हालत ठीक हुई लेकिन फिर बिगड़ने लगी। रिया को कुछ दिन पहले चाचा नेहरू अस्पताल में भर्ती किया था। इसमें लिवर की तकलीफ बताई गई थी। फिर सुपर स्पेशलिएटी अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके बाद निधन हो गया। परिजनों का कहना है कि यह मौत दूषित पानी के कारण ही हुई है।

उधर हाईकोर्ट द्वारा गठित जांच आयोग का काम शुरू-वहीं इस पूरे मामले में हाईकोर्ट इंदौर द्वारा पूर्व जस्टिस सुशील कुमार गुप्ता का एक सदस्यीय जांच कमीशन बनाया गया है। अब इनका ऑफिस स्कीम 140 में आनंदवन में शुरू हो गया है। जांच आयोग ने सार्वजनिक सूचना जारी कर 28 फरवरी तक सभी से जानकारी मांगी है। कोई भी व्यक्ति जांच कमीशन के सामने दूषित पेयजल की समस्या, आवेदन, मेडिकल दस्तावेज, भर्ती के सबूत, मृत्यु प्रमाणपत्र, गंदे पानी को लेकर फोटो, वीडियो, टेंडर दस्तावेज, वर्क आर्डर, जांच रिपोर्ट आदि पेश कर सकता है। कमीशन का पूरा पता, स्कीम 140, आरसीएम 10, पहली मंजिल, आनंदवन है।

पुलिसकर्मी ही लूट में शामिल, दो सिपाही और बदमाशों ने मिलकर 6 लाख लूटे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में पुलिसकर्मियों का काला चेहरा सामने आया है। दो सिपाही ने बदमाशों के साथ मिलकर 6 लाख रुपए की लूट की है। ये घटना तब हुई जब फरियादी अपनी मां के खाते में पैसे जमा करने के लिए एटीएम गया था। इंदौर पुलिस लगातार कठघरे में हैं। अब नया कांड सामने आया है। इंदौर के दो सिपाहियों ने सोनकच्छ के दो बदमाशों के साथ मिलकर 6 लाख रुपए की लूट की है। इसमें दोनों पुलिस जवान हिरासत में हैं। वहीं दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह लूट एमआईजी थाना में पदस्थ सिपाही अविनाश चंद्रवंशी व डीसीपी ऑफिस में अटैच मनोज मालवीय ने बदमाश नावेद लोधी व साहिल ने मिलकर की है। मामले को दबाने का पहले काफी प्रयास किया गया। फरियादी पर भी दबाव डाला

गया कि वह पुलिस वालों के नाम नहीं लें। फरियादी नहीं माना और जब बात उच्च स्तर पर पहुंच गई तो आखिरकार दोनों पुलिस जवान को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

इस तरह किया लूटकांड

पलासिया पुलिस ने खजराना के अब्दुल फहाद की शिकायत पर केस किया है। अब्दुल ने बताया कि शनिवार, 07 फरवरी की शाम को मां के खाते में ढाई लाख रुपए जमा करने के लिए एटीएम गया था। साथ में उसका भाई जुनैद भी था। तभी वहां साहिल आया और पीछे बुलेट से दो पुलिसकर्मी आए। वह मुझे सुनसान एरिया में ले गए। मुझसे रुपए छीन लिए और साथ ही नावेद के एकाउंट में चार हजार यूएसडीटी (एक तरह की क्रिप्टोकरेंसी) डलवाए। इस तरह से करीब छह लाख रुपए की लूट की गई।

बदमाशों का बचपन का दोस्त है सिपाही

वहीं पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि नावेद और सिपाही मनोज बचपन के मित्र है और साथ में पढ़े हुए हैं। मनोज ने कहा था कि कोई बड़ा काम हो तो बताना। नावेद 6 फरवरी को इंदौर आया फिर मनोज, अविनाश और साहिल को अब्दुल के करेंसी बिजनेस के बारे में बताया। इसके बाद इस घटना का अंजाम दिया गया है।

लाड़ली बहना योजना में नाम जोड़ने के लिए पूर्व विधायक सकलेचा की लगी पीआईएल खारिज

3000 रुपए किश्त की भी थी मांग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने लाड़ली बहना योजना में नए नाम जोड़ने और 3000 रुपए किस्त की याचिका खारिज कर दी है। सरकार ने इसे अपना विशेषाधिकार बताया।

मप्र की बहुचर्चित लाड़ली बहना योजना में नाम जोड़ने के लिए लगाई गई पूर्व विधायक पारस सकलेचा की जनहित याचिका खारिज हो गई है। याचिका में सकलेचा ने योजना में नाम नहीं जोड़ने को मौलिक अधिकारों का हनन बताया था। लेकिन सरकार के जवाब के बाद इसे खारिज कर दिया गया। अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल के जरिए सकलेचा ने यह याचिका दायर की थी। इसमें कई मजबूत तर्क देते हुए नाम जोड़ने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि इसमें 21 से 60 साल तक की महिलाओं के नाम है। लेकिन बालिग उम्र 18 साल है तो फिर 18 से 21 साल की युवतियों के नाम क्यों नहीं जोड़े जा रहे हैं। यह

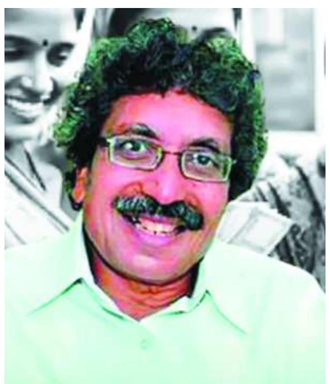

मौलिक अधिकारों का हनन है। याचिका में यह भी तर्क था कि 60 साल के बाद महिलाओं के नाम हटा दिए जाते हैं, यह गलत है, इसे बनाकर रखा जाए याचिका में एक अहम तर्क था कि 20 अगस्त 2023 के बाद नए नाम नहीं जोड़े गए हैं। यह भी संविधान के मौलिक अधिकार 14 का उल्लंघन है।

किस्त भी 3000 करने की थी मांग-याचिका में यह भी मांग की गई थी कि मुख्यमंत्री ने ही इसकी किश्त 3 हजार रुपए प्रति माह करने की घोषणा की थी, लेकिन अभी भी 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। इसे भी लागू किया जाए।

सरकार ने यह रखे तर्क-इस पर सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता सुदीप भार्गव ने याचिका का विरोध किया। तर्क देते हुए कहा गया कि याचिका में की गई सभी मांग सरकार का विशेषाधिकार है। सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन हाईकोर्ट के हस्तक्षेप योग्य नहीं है। इसके बाद जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने याचिका नामंजूर कर दी।

नाबालिग छात्रा से कोचिंग के टीचर ने की छेड़छाड़, परिजनों ने पीटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नाबालिग छात्रा के साथ अन्नपूर्णा एरिया स्थित एक कोचिंग के शिक्षक ने छेड़छाड़ की। इस पर परिजनों ने कोचिंग पहुंचकर टीचर को पीट दिया। पुलिस ने नाबालिग छात्रा की शिकायत पर टीचर पर पाक्सो एक्ट की धारा लगाकर गिरफ्तार कर लिया है।

अन्नपूर्णा पुलिस ने कोचिंग संस्थान के टीचर आदेश जोशी के खिलाफ केस दर्ज किया है। छात्रा ने घटना बताते हुए पुलिस को कहा कि- सोमवार शाम को कोचिंग गई थी। कुछ कागज के लिए पहली मंजिल पर बने क्लासरूम में बैग रखकर नीचे आई। इसी दौरान टीचर आदेश ने इशारे से बुलाया और फिर पास के एरिया में गया। वहां बुलाकर किस करने की कोशिश की। हाथ पकड़कर केबिन की ओर खींचा।

छात्रा वहां से डरकर भागी और सीनियर टीचर के पास जाकर घटना बताई लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। उसके बाद जब छात्रा बैग उठाने गई, तो आदेश फिर पास आया और बैग से

परफ्यूम निकालकर अपने कपड़ों पर लगाया। छात्रा भागकर घर पहुंची और परिजन को बात बताई। इसके बाद परिजन कोचिंग पहुंचे और आरोपी टीचर की पिटाई कर दी।

डीसीपी कृष्ण लालचंदानी ने बताया कि आरोपी टीचर पर पाक्सो की धारा लगाई गई है। साथ ही कोचिंग संचालक को नोटिस देकर जानकारी मांगी गई है। पूछा गया है कि क्या टीचर व अन्य स्टाफ का चरित्र सत्यापन कराया है, पुलिस को जानकारी दी गई है या नहीं।

कैबिनेट मीटिंग के समय कहां थे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, खुद किया खुलासा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भोपाल में मंगलवार 10 फरवरी को सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट मीटिंग थी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इस मीटिंग में नहीं आए। उन्होंने खुद अपने 𝕏 अकाउंट पर पोस्ट कर मीटिंग में शामिल नहीं हो पाने का कारण बताया है। भोपाल में मंगलवार 10 फरवरी को सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट मीटिंग थी। सभी की नजरें थी कि इसमें मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आएंगे या नहीं। वह नहीं आए। इसे लेकर राजनीतिक चर्चाएं चलने लगी, लेकिन इसी दौरान खुद मंत्री विजयवर्गीय ने यह खुलासा कर दिया।

इसी बीच सीएम की कैबिनेट मीटिंग शुरू होने की फोटो आ गई। इसमें मंत्री विजयवर्गीय कहीं नहीं दिखे तो चर्चाएं चलने लगी। कारण है कि वह 20 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश पर गए। इससे लौटने के बाद भी वह कैबिनेट मीटिंग में नहीं दिखे। चर्चाएं चली कि वह नाराजगी के कारण नहीं गए। इसके बाद मंत्री विजयवर्गीय ने करीब दो बजे अपनी दो फोटो लैपटाप के साथ डाली और टिव्ट किया। इसमें

लिखा कि- मुख्यमंत्री डॉ. की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपने विचार साझा किए।

बैठक में जनकल्याण एवं विकास कार्यों से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए प्रदेश हित में दूरगामी निर्णय लिए गए। यानी मंत्री भोपाल नहीं जाने के चलते इंदौर से ही वर्चुअल तौर पर कैबिनेट मीटिंग में शामिल हुए। साथ ही फैसलों में अपने विचार भी रखे। पिता की पुण्यतिथि पर श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से इंदौर के बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप अस्पताल को एंबुलेंस भेंट की। इस मौके पर पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और पूज्य संतजन भी उपस्थित थे। आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि हमारे दादाजी स्व. शंकरदयाल विजयवर्गीय काफी पुण्यात्मा थे। वे मिल में मजदूरी करते थे। फिर भी उस समय यदि हमारे मोहल्ले में किसी घर में मृत्यु होती थी, तो वह अस्थि संचय का जो खर्च होता था, वह देते थे। यह उनका नियम था। अस्पताल से एक एंबुलेंस की मांग हमसे की गई थी और हमने एक एंबुलेंस आज अस्पताल को भेंट की।

भोपाल इसलिए नहीं गए मंत्री विजयवर्गीय

कैलाश विजयवर्गीय मंगलवार 10 फरवरी को कैबिनेट मीटिंग के लिए भोपाल नहीं गए। उन्होंने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे एक पोस्ट ट्वीट की। इसमें बताया गया कि उनके पिता की पुण्यतिथि है। उन्होंने लिखा कि आज पूज्य पिताश्री स्वर्गीय श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय जी (काकाजी) की पुण्यतिथि पर श्रद्धा और भावपूर्ण स्मरण के साथ गौ माता को गोग्रास अर्पित कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। इस पुण्य अवसर पर उनके स्नेह, संस्कार और मार्गदर्शन को हृदय में संजोते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प भी पुन: दृढ़ हुआ। साथ ही श्री साईंनाथ मंदिर समिति के साथ भंडारा प्रसादी में सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**

सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।